सच कहने की ताकत

साप्ताहिक समाचार पत्र

जालंधर ब्रीज

प्रेरणा

घड़ी को सिर्फ देखो मत बल्कि वह करो जो घड़ी करती है बस चलते रहो..।

साप्ताहिक मौसम

दिन	अधिकतम	न्यूनतम
शुक्रवार	32°	25°
शनिवार	32°	27°
रविवार	34°	27°
सोमवार	33°	26°
मंगलवार	36°	26°
बुधवार	33°	26°
वीरवार	32°	26°

*आंकड़े आईएमडी के अनुसार

www.jalandharbreeze.com • JALANDHAR BREEZE • WEEKLY • YEAR-7 • 01 AUGUST TO 07 AUGUST 2025 • VOLUME 02 • PAGE-4 • RATE-3.00/- • RNI NO.: PUNHIN/2019/77863

Lic No : 933/ALC-4/LA/FN:1184
INNOVATIVE TECHNO INSTITUTE
CONSULTING DESIGN TRAINING
ISO CERTIFIED 2015 COMPANY

CONFUSED ABOUT CAREER!
Unsure of what to do after 10th/12th/Graduation?
Whether to Study in India or Abroad?

What should I do after 10th-Science, Commerce or Arts?
Should I consider Computer or Mechanical Engineering?
What is better for me - MBA in Marketing or MBA in Finance?
Should I pursue Chartered Accountancy or Law after 12th?
Do I have the aptitude for Architecture and Designing?
Get Career Guidance from our Expert Career Counseling Team Free of Cost

E-mail : hr@innovativetechin.com • Website : www.innovativetechin.com • FB/Innovativetechin • Contact :9317776662, 9317776663
REGIONAL OFFICE : S.C.O No. 10 Gopal Nagar, Near Batra Palace, Jal. HEAD OFFICE : S.C.O No. 21-22, Kuldip Lal Complex, Highway Plaza GT Road, Adjoining Lovely Professional University. Phagwara.
*T&C apply

ट्रंप के टैरिफ पर केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल बोले-

भारत राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए सभी कदम उठाएगा

नई दिल्ली. केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को कहा कि केंद्र सरकार देश के राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए सभी कदम उठाएगी। यह बात अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा के एक दिन बाद कही गई। उन्होंने नई दिल्ली द्वारा रूसी तेल और हथियार खरीदने के फैसले का हवाला दिया। लोकसभा में बोलते हुए गोयल ने कहा कि केंद्र सरकार ट्रंप के 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने के फैसले के प्रभावों की जांच कर रही है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि केंद्र ने ट्रम्प के बयान पर ध्यान दिया है और वर्तमान में इसके प्रभावों का अध्ययन कर रहा है। सरकार ने कहा कि भारत और अमेरिका पिछले कुछ महीनों से एक निष्पक्ष, संतुलित और पारस्परिक रूप से लाभकारी द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर पहुँचने के लिए बातचीत कर रहे हैं।

बता दें कि ट्रंप ने भारत पर 25 प्रतिशत का टैरिफ लगाने का ऐलान किया है, जो कि 1 अगस्त 2025 से लागू होगा। ये फैसला भारत और अमेरिका के बीच कूटनीतिक और व्यापारिक रिश्तों में तनाव पैदा कर सकते हैं। आपको बता दें कि डोनाल्ड ट्रंप ने भारत के चीन और रूस के साथ व्यापार करने पर नाराजगी जताई है। ट्रंप ने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा है कि भारत हमारा दोस्त है, लेकिन उनके ऊंचे टैरिफ

और रूस से सैन्य उपकरण और ऊर्जा खरीद ने उनकी नीतियों को लेकर चिंता है। खासकर तब जब दुनिया यूक्रेन में रूस की हिंसा रोकना चाहती है। इस आधार पर उन्होंने भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ और एक एक्स्ट्रा पैनल्टी लगाने का ऐलान किया है।

इसके अलावा अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की तरफ से लगातार भारत और रूस को लेकर बयानबाजी भी सामने आ रही है। इसके साथ ही भारत को चिढ़ाने के लिए पाकिस्तान के साथ तेल डील को लेकर भी ऐलान किया जा रहा है। लेकिन अब अमेरिका ने भारत की कंपनियों पर बैन लगा दिया है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने ईरानी मूल के पेट्रोकेमिकल उत्पादों की महत्वपूर्ण बिक्री और खरीद के लिए छह भारतीय कंपनियों पर प्रतिबंध लगाए हैं।

मालेगांव धमाके में साध्वी प्रज्ञा ठाकुर समेत सभी आरोपी बरी

एनआईए कोर्ट ने 17 साल बाद सुनाया फैसला

मुंबई. विशेष एनआईए अदालत ने पूर्व भाजपा सांसद प्रज्ञा सिंह ठाकुर और लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद पुरोहित समेत सभी सातों आरोपियों को बरी किया। भाजपा की पूर्व सांसद प्रज्ञा सिंह ठाकुर और लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद पुरोहित समेत सभी सात आरोपी अदालत में उपस्थित हुए थे। विशेष एनआईए अदालत ने कहा कि अभियोजन पक्ष आरोप साबित करने में नाकाम रहा, आरोपी संदेह का लाभ पाने के हकदार। यह घटना महाराष्ट्र के सांप्रदायिक रूप से संवेदनशील मालेगांव शहर में हुए एक शक्तिशाली विस्फोट के लगभग 17 साल बाद हुई है, जिसमें छह लोग मारे गए थे और 100 से अधिक घायल हो गए थे। भाजपा की पूर्व सांसद प्रज्ञा सिंह ठाकुर ने कहा कि अदालत द्वारा बरी किया जाना न केवल उनकी, बल्कि हर भगवा की जीत है। प्रज्ञा ठाकुर और लेफ्टिनेंट कर्नल पुरोहित समेत सभी सात आरोपी अदालत में मौजूद थे। मेजर (सेवानिवृत्त) रमेश उपाध्याय, अजय राहिरकर, सुधाकर द्विवेदी, सुधाकर चतुर्वेदी और समीर कुलकर्णी इस मामले के अन्य आरोपी थे। इस मामले की जाँच करने वाली राष्ट्रीय जाँच एजेंसी (एनआईए) ने आरोपियों के लिए "उचित सजा" की माँग की थी।

जिक्रयोग्य है कि यह विस्फोट 29 सितंबर, 2008 को मालेगांव के एक मुस्लिम बहुल इलाके के एक चौक पर हुआ था। यह रमज़ान का महीना था, जब मुस्लिम समुदाय रोज़ा रखता है। एक मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि यह संदेह था कि विस्फोट के पीछे के लोगों ने सांप्रदायिक दरार पैदा करने के लिए हिंदू नवरात्रि उत्सव से ठीक पहले मुस्लिम पवित्र महीने का समय चुना था। स्थानीय पुलिस से जाँच महाराष्ट्र आतंकवाद निरोधी दस्ते (एटीएस) को सौंप दी गई। हालाँकि यह दावा किया गया था कि विस्फोट के बाद 101 लोग घायल हुए थे, एनआईए अदालत ने फैसला सुनाया कि केवल 95 लोग घायल हुए थे, और यह भी कहा कि कुछ चिकित्सा प्रमाणपत्रों में हेराफेरी की गई थी।

डॉ. चब्बेवाल ने केंद्रीय मंत्री गडकरी से मुलाकात की

होशियारपुर (जालंधर ब्रीज). लोकसभा सदस्य डॉ. राज कुमार चब्बेवाल ने केंद्रीय सडक़ परिवहन मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात की और होशियारपुर से टांडा सडक़ के निर्माण कार्य को जल्द शुरू करने के लिए एक ज्ञापन सौंपा, जिस पर केंद्रीय मंत्री ने आश्वासन दिया कि सडक़ का निर्माण कार्य जल्द ही शुरू किया जाएगा। डॉ. राज कुमार चब्बेवाल ने श्री आनंदपुर साहिब से लोकसभा सदस्य मलविंदर सिंह कंग के साथ केंद्रीय मंत्री से मुलाकात के दौरान कहा कि 27.9 किलोमीटर लंबी होशियारपुर-टांडा सडक़ के निर्माण पर 28.86 करोड़ रुपये की लागत आएगी। उन्होंने आगे बताया कि केंद्रीय मंत्री से मुलाकात के दौरान होशियारपुर-जालंधर रोड के अधूरे काम को जल्द पूरा करने की भी मांग की गई है और उन्होंने आश्वासन दिया है कि इस सडक़ का रुका हुआ काम भी जल्द शुरू करवाया जाएगा।

सिविल अस्पतालों में चार-स्तरीय बैकअप प्रणाली लागू करेगी सरकार

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर पंजाब के स्वास्थ्य मंत्री डा. बलबीर सिंह ने गुरुवार को घोषणा की कि राज्य सरकार सभी सरकारी अस्पतालों में निर्बाध ऑक्सीजन और बिजली आपूर्ति, अग्निशामक प्रणाली, जल और स्वच्छता सेवाएँ सुनिश्चित करने के लिए एक मज़बूत चार-स्तरीय बैकअप प्रणाली स्थापित कर रही है। उन्होंने कहा कि इस पहल का उद्देश्य भविष्य में मरीज़ों की सुरक्षा में किसी भी तरह की चूक को रोकने के लिए गहन देखभाल के बुनियादी ढाँचे को मज़बूत करना है। कैबिनेट मंत्री जालंधर के शहीद बाबू लाभ सिंह सिविल अस्पताल का दौरा कर रहे थे, जहाँ उन्होंने स्वास्थ्य अधिकारियों के साथ बैठक की और व्यवस्था में सुधार के लिए महत्वपूर्ण निर्देश दिए।

मीडिया से बात करते हुए, डा. सिंह ने उच्च-गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए पंजाब सरकार की वचनबद्धता दोहराई और कहा कि सिस्टम में खामियों के कारण जान जोखिम में नहीं डाली जा सकती। जालंधर सिविल अस्पताल में तीन मरीजों की दुखद मौत का जिक्र करते हुए कैबिनेट मंत्री ने कहा कि खामियों का पूरी तरह से पता लगाने के लिए फालो-अप जांच शुरू कर दी गई है और दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने जोर देकर कहा कि आई.सी.यू. में गलती की कोई गुंजाइश नहीं है। जांच में कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी।

उत्तराखंड में फार्मा यूनिट से चल रही अवैध ट्रामाडोल सप्लाई चेन का पर्दाफाश

चंडीगढ़/अमृतसर (जालंधर ब्रीज). अमृतसर पुलिस कमिश्नरेट ने अमृतसर में 35 गोलियां की एक छोटी सी बरामदगी से लेकर उत्तराखंड के हरिद्वार स्थित निर्माण यूनिट तक फैले ट्रामाडोल की अवैध सप्लाई चेन का भंडाफोड़ किया है। यह कार्रवाई थाना ए-डिवीजन क्षेत्र में दर्ज एफआईआर के तहत स्थानीय तस्कर रविंदर सिंह उर्फ निका की गिरफ्तारी के बाद की गई बारीकी से जांच के फलस्वरूप की गई है। पुलिस ने मात्र 15 दिनों में ट्रामाडोल की 74,465 गोलियाँ, अल्प्राजोलम की 50 गोलियाँ और ट्रामाडोल का 325 किलोग्राम कच्चा माल बरामद किया है। डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि मामले से संबंधित खुलासों और छापों के आधार पर एक केमिस्ट, वितरक और लूसेंट बायोटेक लिमिटेड के प्लांट प्रमुख समेत कुल छह गिरफ़्तारियाँ की गई हैं। गिरफ़्तार व्यक्तियों की पहचान लूसेंट बायोटेक लिमिटेड, रुड़की के प्लांट मैनेजर हरी किशोर और रिकाल लाइफसाइंसेज़, रुड़की के मालिक-कम-पार्टनर बिक्रम के रूप में हुई है। अन्य गिरफ़्तार व्यक्तियों में मनीष कुमार अरोड़ा, पूरन जाटव और कथूनंगल स्थित मेडिकल स्टोर के मालिक कुलविंदर सिंह उर्फ किंदा शामिल हैं।

सुनाम-पटियाला हाईवे का नाम शहीद ऊधम सिंह किया

भगवंत मान और केजरीवाल ने शहीद ऊधम सिंह को श्रद्धा के फूल अर्पित किए

• **जालंधर ब्रीज.** सुनाम

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने गुरुवार को शहीद ऊधम सिंह के 86वें शहादत दिवस के अवसर पर राज्य स्तरीय समारोह में उन्हें श्रद्धा के फूल अर्पित किए और उनके पैतृक शहर में लगभग 85 करोड़ रुपए की विकास परियोजनाओं का शिलान्यास किया। यहां स्टेडियम में ऊधम सिंह स्मारक पर शहीद को श्रद्धांजलि देते हुए मुख्यमंत्री और अरविंद केजरीवाल ने स्मारक पर फूलमालाएं अर्पित की। उन्होंने कहा कि मातृभूमि के इस सच्चे सपूत ने जलियांवाला बाग नरसंहार के मुख्य दोषी माइकल ओ'डवायर को मारकर एक वीरतापूर्ण कार्य का प्रदर्शन किया था। दोनों नेताओं ने कहा कि राष्ट्रीय स्वतंत्रता संग्राम में इस सपूत द्वारा दी गई महान कुर्बानी ने देश से ब्रिटिश साम्राज्यवाद के जुए को उखाड़ फेंकने में मदद की। उन्होंने यह भी कहा कि शहीद ऊधम सिंह की महान कुर्बानी युवाओं को हमेशा देश की निःस्वार्थ सेवा के लिए प्रेरित करेगी। इस दौरान मुख्यमंत्री

भगवंत सिंह मान और अरविंद केजरीवाल ने शहीद ऊधम सिंह वाला के निवासियों को विभिन्न विकास परियोजनाओं के रूप में लगभग 85 करोड़ रुपए का तोहफा भी दिया। इनमें 15.32 करोड़ रुपए की लागत से तहसील परिसर का उन्नयन शामिल है, जो एक वर्ष के भीतर पूरा हो जाएगा। नए परिसर में एसडीएम कार्यालय, उप-रजिस्ट्रार कार्यालय, तहसीलदार कार्यालय, खजाना कार्यालय, खाद्य आपूर्ति कार्यालय, कर कार्यालय, सहकारी सभा कार्यालय और अन्य विभाग होंगे। इसी तरह, उन्होंने सुनाम में 13.64 करोड़ रुपए की लागत से बन रहे नए बस स्टैंड का शिलान्यास किया। यह परियोजना भी एक वर्ष के भीतर पूरी हो जाएगी और बस स्टैंड में बस काउंटरों के साथ एक शॉपिंग परिसर भी शामिल होगा। इसी तरह, दोनों नेताओं ने 8.20 करोड़ रुपए की लागत से बन रहे कन्या सरकारी सीनियर सेकेंडरी स्कूल का शिलान्यास भी किया, जो नौ महीने में पूरा हो जाएगा।

सुनाम में खेलों को प्रोत्साहन देने के लिए 18.95 करोड़ रुपए की लागत से एक इंडोर स्पोर्ट्स परिसर भी बनाया जाएगा। इस परिसर में सिंथेटिक ट्रैक, बैडमिंटन, बॉक्सिंग, जूडो, कुश्ती, बास्केटबॉल, वॉलीबॉल और ताइक्वांडो की सुविधाएं होंगी। दोनों नेताओं ने शहीद ऊधम सिंह सरकारी कॉलेज में विकास कार्यों की नींव भी रखी, जिसमें एस्ट्रो टर्फ हॉकी ग्राउंड, लेक्चर हॉल, पुस्तकालय, प्रशासनिक ब्लॉक और अन्य शामिल हैं। इस महत्वपूर्ण परियोजना की कुल लागत 20.78 करोड़ रुपए है और यह एक वर्ष के भीतर पूरी हो जाएगी। मुख्यमंत्री और अरविंद केजरीवाल ने सुनाम शहर में बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाने के लिए 8.49 करोड़ रुपए की अन्य परियोजनाओं का शिलान्यास भी किया।

एयर इंडिया के एक और विमान में आई तकनीकी खराबी, नहीं भर सका उड़ान

नई दिल्ली. दिल्ली से लंदन जाने वाली एयर इंडिया की एक उड़ान 31 जुलाई को संदिग्ध तकनीकी खराबी के कारण वापस लौट आई। एआई 2017 नाम का यह विमान उड़ान भरने की तैयारी कर रहा था, तभी कॉकपिट क्रू ने उड़ान रोक दी और विमान को जाँच के लिए वापस ले आया। एयरलाइन ने कहा कि सभी प्रक्रियाओं का पालन किया गया। एयरलाइन ने कहा कि यात्रियों को जल्द से जल्द लंदन ले जाने के लिए एक वैकल्पिक विमान तैनात किया जा रहा है। एयर इंडिया ने अपने बयान में यह भी कहा कि उसके कर्मचारी देरी से प्रभावित लोगों की मदद कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि हमारा ग्राउंड स्टाफ इस अप्रत्याशित देरी के कारण होने वाली असुविधा को कम करने के लिए मेहमानों को हर संभव सहायता और देखभाल प्रदान कर रहा है। एयर इंडिया में, हमारे यात्रियों की सुरक्षा और भलाई सर्वोच्च प्राथमिकता है।

गौरतलब है कि बीते दिनों भारत के विमानन नियामक, नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने इस महीने की शुरुआत में एयरलाइन के गुरुग्राम बेस के विस्तृत ऑडिट के बाद एयर इंडिया में लगभग 100 सुरक्षा उल्लंघनों और टिप्पणियों को चिह्नित किया है - जिनमें सात गंभीर खामियाँ भी शामिल हैं। 1 जुलाई से 4 जुलाई के बीच किए गए इस ऑडिट में परिचालन, उड़ान समय-निर्धारण, रोस्टरिंग और अन्य प्रमुख कार्यों की जाँच की गई। डीजीसीए के निष्कर्षों के अनुसार, एयरलाइन चालक दल के प्रशिक्षण, ड्यूटी और आराम अवधि के नियमों, अपर्याप्त चालक दल संख्या और हवाई क्षेत्र योग्यता जैसे क्षेत्रों में नियमों का पालन नहीं करती पाई गई।

बहुभाषी, समावेशी शिक्षा अब व्यापक स्तर पर साकार : धर्मेंद्र प्रधान

जालंधर ब्रीज. एनईपी के पाँच वर्ष पूरे होने पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने कहा कि भाषा के चयन से लेकर कौशल पर बल तक, इसकी अवधारणाओं ने कक्षा के अनुभव को मूल रूप से बदल दिया है

2020 में भारत ने केवल एक नई नीति नहीं अपनाई, बल्कि एक प्राचीन आदर्श को फिर से जीवंत किया। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) ने सीखने को राष्ट्र निर्माण का आधार बनाया और इसे हमारी सभ्यतागत परंपराओं से जोड़ा। स्वर्गीय डॉ. के. कस्तूरीरंगन जी के नेतृत्व में तैयार की गई यह नीति इतिहास की सबसे व्यापक जन-सहभागिता वाली नीति-निर्माण प्रक्रिया में से एक थी। यह एक ऐसा दूरदर्शी रूपरेखा थी जो सांस्कृतिक मूल्यों में निहित था। यह एक ऐसी शिक्षा व्यवस्था की कल्पना थी जो रटने की प्रवृत्ति, कठोर ढाँचों और भाषाई ऊँच-नीच से परे हो—समावेशी, सर्वांगीण और भविष्य के लिए तैयार।

पाँच वर्षों में एनईपी का असर केवल नीतियों तक नहीं, बल्कि कक्षाओं तक स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। अब प्राथमिक कक्षाओं में खेल आधारित शिक्षण, रटने की पद्धति की जगह ले चुका है; बच्चे अपनी मातृभाषा में सहजता से पढ़ रहे हैं; छठी कक्षा के विद्यार्थी व्यावसायिक प्रयोगशालाओं में हाथों-हाथ कौशल सीख रहे हैं। अनुसंधान संस्थानों में भारत का पारंपरिक ज्ञान आधुनिक विज्ञान के साथ संवाद कर रहा है। एनईपी की सोच एसटीईएम क्षेत्रों में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी और वैश्विक मंचों पर भारतीय संस्थानों की उपस्थिति में भी झलकती है।

निपुण भारत मिशन ने बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मक ज्ञान को कक्षा 2 तक सुनिश्चित किया है। एएसईआर 2024 और परख राष्ट्रीय सर्वेक्षण 2024 जैसी रिपोर्टों में यह प्रगति परिलक्षित होती है—आज की कक्षाएं जिज्ञासा और समझ का केंद्र बन चुकी हैं। विद्या प्रवेश और बालवाटिका जैसी पहलें अब प्रारंभिक बाल्यावस्था की देखभाल और शिक्षा को व्यवस्थित रूप से एकीकृत कर रही हैं। 22 भारतीय भाषाओं में जादुई पिटारा और ई-जादुई पिटारा, नई पीढ़ी की पाठ्यपुस्तकों के साथ, शिक्षा को रुचिकर बना रहे हैं। निष्ठा प्रशिक्षण के माध्यम से 14 लाख से अधिक शिक्षक प्रशिक्षित हो चुके हैं और दीक्षा जैसे प्लेटफॉर्म शिक्षण सामग्री को देशभर में सुलभ बना रहे हैं। एनईपी ने यह स्पष्ट किया कि भाषा कोई बाधा नहीं, बल्कि सशक्तिकरण का माध्यम है। 117 भाषाओं में प्राइमर विकसित किए गए हैं और भारतीय सांकेतिक भाषा को एक विषय के रूप में शामिल किया गया है। भारतीय भाषा पुस्तक योजना और राष्ट्रीय डिजिटल भंडार जैसी योजनाएं भाषाई और सांस्कृतिक ज्ञान को लोकतांत्रिक बना रही हैं। राष्ट्रीय पाठ्यक्रम फ्रेमवर्क (एनसीएफ) और कक्षा 1 से 8 की नई किताबें अब जारी हो चुकी हैं। प्रेरणा एक सेतु कार्यक्रम है जो छात्रों को नई पाठ्यचर्या में सहजता से ढालने के लिए मार्गदर्शन करता है, ताकि वे अभिभूत न हों, बल्कि हर चरण में सहयोग प्राप्त करें। समग्र शिक्षा और पीएम पोषण जैसी योजनाओं ने लगभग सार्वभौमिक नामांकन को संभव बनाया है। एनईपी का प्रभाव वंचित समूहों तक भी पहुँचा है। 5,138 से अधिक कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में 7.12 लाख से अधिक वंचित समुदायों की बालिकाएं नामांकित हैं। धर्ती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत 692 और पीवीटीजी छात्रों के लिए 490 से अधिक छात्रावास स्वीकृत किए गए हैं। प्रशस्त कार्यक्रम के माध्यम से दिव्यांगता की पहचान कर शिक्षा व्यवस्था को और अधिक समावेशी व सशक्त बनाया गया है। एनईपी 2020 के परिवर्तन का एक प्रमुख स्तंभ हैं 14,500 पीएम-श्री स्कूल, जो आधुनिक, समावेशी और पर्यावरण के अनुकूल हैं। ये विद्यालय एनईपी के विजन के अनुरूप आदर्श मॉडल स्कूल बन रहे हैं, जो बुनियादी ढाँचे और शिक्षण पद्धति दोनों को पुनर्परिभाषित कर रहे हैं। विद्यांजलि प्लेटफॉर्म ने 8.2 लाख स्कूलों को 5.3 लाख से अधिक वॉलंटियर्स और 2,000 सीएसआर पार्टनर्स से जोड़ा है, जिससे 1.7 करोड़ छात्रों को सीधा लाभ मिला है।

धर्मेंद्र प्रधान
(लेखक भारत के शिक्षा मंत्री हैं)

उच्च शिक्षा में कुल नामांकन 3.42 करोड़ से बढ़कर 4.46 करोड़ हो गया है—30.5% की बढ़ोत्तरी। इनमें लगभग 48% छात्राएं हैं। महिला पीएचडी नामांकन 0.48 लाख से बढ़कर 1.12 लाख हो गया है। एससी, एसटी, ओबीसी और अल्पसंख्यक छात्रों का बढ़ता नामांकन उच्च शिक्षा में समावेशिता का ऐतिहासिक संकेत है। महिला जीईआर लगातार छह वर्षों से पुरुषों से अधिक रहा है। मल्टीपल एंट्री-एग्जिट, एकेडेमिक बैंक ऑफ क्रेडिट्स और नेशनल क्रेडिट फ्रेमवर्क जैसे नवाचारों ने शिक्षा को विकल्पों से भरपूर और छात्र-केंद्रित बनाया है। 21.12 करोड़ अपार आईडीज़ उपलब्ध कराई गई हैं। 153 विश्वविद्यालयों में मल्टीपल एंट्री और 74 में एग्जिट विकल्प उपलब्ध हैं—अब सीखना क्रमबद्ध नहीं, बल्कि मॉड्यूलर है। एनईपी के अनुसंधान और नवाचार पर ज़ोर ने भारत के ग्लोबल इनोवेशन इंडेक्स को 81वें स्थान से 39वें तक पहुंचाया है। 400 से अधिक उच्च शिक्षा संस्थानों में 18,000 से अधिक स्टार्टअप इनक्यूबेट किए गए हैं। अनुसंधान एनआरएफ, पीएमआरएफ 2.0, और 6,000 करोड़ रुपये की वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन योजना शोध को विकेंद्रीकृत और सुलभ बना रही हैं। स्वयम और स्वयम प्लस जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर 5.3 करोड़ से अधिक नामांकन हो चुके हैं। दीक्षा और पीएम ई-विद्या के 200+ डीटीएच चैनलों के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण सामग्री देश के हर कोने में उपलब्ध हो रही है। क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2026 में भारत के 54 संस्थान शामिल हुए हैं, जबकि 2014 में केवल 11 थे।

परिवर्तन की इस यात्रा का उत्सव अखिल भारतीय शिक्षा समागम के माध्यम से मनाया जा रहा है, लेकिन इसका मूल्यांकन शिक्षार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों के शांत आत्मविश्वास में हो रहा है। हमें अपने परिसरों को हराभरा बनाना, महत्वपूर्ण अनुसंधान अवसंरचना का विस्तार करना और सीखने के परिणामों को और अधिक गहरा करना जारी रखना होगा। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में शिक्षा केवल एक नीति नहीं, बल्कि सबसे बड़ा राष्ट्रीय निवेश बन चुकी है। जहाँ शिक्षा है, वहीं प्रगति है। एक अरब जागरूक और सशक्त नागरिक केवल जनसांख्यिकीय लाभांश नहीं हैं, बल्कि नए भारत का सुपरनोवा हैं।

ट्रेन टिकट बुक करते करें ये काम, मुफ्त में होगा एसी में अपग्रेड

Travelling

रेल से बहुत से लोग यात्रा करते हैं। कुछ लोग तो ऐसे हैं जो रोजाना सफर करते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि अगर आप स्लीपर क्लास में टिकट बुक करते हैं तो ये अपने आप एसी में अपग्रेड हो सकता है?

• **जालंधर ब्रीज. फीचर**

यात्रा चाहें लंबी हो या फिर छोटी, बहुत से लोग ट्रेन में सफर करना पसंद करते हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि ट्रेन की यात्रा कम्फर्टेबल होती है और हर वर्ग का व्यक्ति अपनी सुविधा अनुसार क्लास चुनकर यात्रा कर सकता है। इसी के साथ ट्रेन का सफर काफी मजेदार भी होता है।

ऐसा इसलिए क्योंकि ट्रेन ट्रैवल में अलग-अलग तरह के लोगों से मिलना होता है, वहीं परिवार के साथ जाने पर एक दूसरे के साथ अच्छा टाइम स्पेंड भी हो जाता है। बहुत से लोग अक्सर ट्रेन में यात्रा तो करते हैं लेकिन रेलवे के नियमों से अनजान हैं। क्या आप जानते हैं कि कोई व्यक्ति अगर स्लीपर क्लास का टिकट बुक कर रहा है तो ये एसी क्लास में भी अपग्रेड हो सकती है।

क्या हैं टिकट अपग्रेड करने के नियम

IRCTC की ऑटो-अपग्रेड पोलिसी में चार्ट तैयार होने के बाद सीटें होने पर ट्रेन टिकटों को हाई क्लास में मुफ्त अपग्रेड मिल सकता है। यह अपग्रेड आमतौर पर स्लीपर क्लास और सीटिंग क्लास के वेटिंग लिस्ट वाले टिकटों पर लागू होता है। यह अपग्रेड ऑटोमैटिक होता है और हाई क्लास में सीट खाली होने पर डिपेंड करता है। हालांकि, आपकी टिकट दो हाई क्लास तक ही अपग्रेड हो सकती है।

ट्रेन टिकट बुक करते समय करें ये एक काम

- टिकट अपग्रेड की सुविधा पाने के लिए यात्रियों को आईआरसीटीसी ट्रेन टिकट बुक करते समय अपग्रेड ऑप्शन चुनना होगा। अगर ये ऑप्शन न चुना जाए तो सुविधा नहीं मिलेगी। कैसे चुनें ऑप्शन-
- ट्रेन टिकट बुक करते समय चुनी गई ट्रेन के लिए अपनी सुविधा के मुताबिक क्लास पर क्लिक करें।
- फिर यात्री का विवरण, जैसे नाम, उम्र, लिंग, बर्थ प्रेफरेंस और बाकी जानकारी भरें।
- अपनी टिकटों को हाई क्लास में अपग्रेड करने के लिए ऑटो-अपग्रेड वाले चेकबॉक्स पर क्लिक करें।
- हाई क्लास में अपग्रेड होने पर यात्रियों के पीएनआर में कोई बदलाव नहीं होगा।

LIFE TRUTHS

बच्चों के सामने भूलकर भी ना करें इन 5 बातों का जिक्र, मेंटल इमोशनल हेल्थ पर पड़ेगा बुरा असर

बच्चों का आत्मविश्वास और मेंटल-इमोशनल ग्रोथ अच्छी बनाए रखने के लिए आइए जानते हैं आखिर कौन सी वो 5 बातें है, जिन्हें पेरेंट्स को बच्चों के सामने करने से बचना चाहिए।

• **जालंधर ब्रीज .** फीचर

बच्चो को अच्छी परवरिश देने के लिए पेरेंट्स अपनी तरफ से हर संभव कोशिश करते हैं। बावजूद इसके जाने-अनजाने कई बार माता-पिता से कुछ ऐसी गलतियां हो जाती हैं, जो ना सिर्फ उनके मानसिक विकास बल्कि इमोशनल ग्रोथ पर भी बुरा असर डालने लगती हैं।

नतीजा, बच्चों का आत्मविश्वास कम होने लगता है और वो कक्षा में अपने साथी बच्चों से हर काम में पीछे रह जाते हैं। बच्चों का आत्मविश्वास और मेंटल-इमोशनल ग्रोथ अच्छी बनाए रखने के लिए आइए जानते हैं आखिर कौन सी वो 5 बातें है, जिन्हें पेरेंट्स को बच्चों के सामने करने से बचना चाहिए।

पैसों से जुड़ी चिंताएं

बच्चों के सामने पेरेंट्स को कभी भी भविष्य की चिंताओं, कर्ज, ऑफिस की टेंशन या किसी भी तरह की वित्तीय समस्या पर चर्चा नहीं करनी चाहिए। बच्चों के सामने ऐसा करने से उनके कोमल मन में डर पैदा हो सकता है। विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि पेरेंट्स को हमेशा पैसों और खर्च से जुड़े विषयों पर अकेले बैठकर ही बात करनी चाहिए।

झगड़ा या तलाक की प्लानिंग

माता-पिता के बीच होने वाले झगड़े या तलाक की चर्चा बच्चों में असुरक्षा की भावना भरकर उन्हें उस स्थिति के लिए जिम्मेदार तक महसूस करवा सकती है। माता-पिता को चाहिए कि अपने स्वस्थ मतभेदों को सम्मान के साथ पेश करें।

बच्चों के सामने ना करें किसी की बुराई

माता-पिता को समझना चाहिए कि रिश्तेदारों, केयर टेकर या फिर अजनबियों की बुराई बच्चों के सामने करने से आप उसे भी अनजाने में यही करने की ट्यूशन दे रहे होते हैं। ऐसा करने से बचें। लोगों की बुराईयां सुनकर कई बार बच्चे कंफ्यूज हो जाते हैं और उनके मन में उस व्यक्ति को लेकर संदेह पैदा होता है। जिससे उसे लोगों के साथ बॉन्ड बनाने में परेशानी होती है। इसके अलावा बच्चों में आगे चलकर लोगों की बुराई करने की आदत पड़ जाती है।

बच्चे के लुक्स पर कमेंट

कई बार माता-पिता मजाक में अपने बच्चों के लुक्स पर कमेंट करने लगते हैं। लेकिन पेरेंट्स को कभी भी अपने बच्चे के लुक्स पर भी कोई नेगिटिव कमेंट नहीं करना चाहिए। ऐसा करने से बच्चे का आत्मविश्वास कमजोर होने लगता है और उसके भीतर हीन भावना पैदा होने लगती है।

जाति और धर्म से जुड़े भेदभाव

बच्चे के सामने जाति-धर्म या हिंसा से जुड़ी बातों को करने से बचें। ऐसा करने से उनकी मानसिकता पर बुरा असर पड़ सकता है। ऐसा करने की जगह उन्हें समानता और सौहार्द की शिक्षा दें।

डिस्क्लेमर : *यह लेख मात्र सामान्य जानकारी के लिए है। किसी भी प्रयोग से पहले विशेषज्ञ की राय अवश्य लें।*

पकौड़े रहेंगे देर तक कुरकुरे, हलवाइयों वाली ये 5 टिप्स जरूर जान लें!

पकौड़े बनाने के कछ देर बाद ही सॉफ्ट हो जाते हैं, तो आपको ये टिप्स जरूर जान लेनी चाहिए। हलवाइयों वाली ये सीक्रेट टिप्स आपके पकौड़ों को बनाएंगी परफेक्ट क्रिस्पी-कुरकुरा, वो भी देर तक।

• **जालंधर ब्रीज.** रेसिपी

पकौड़ों का मजा तभी है, जब वो क्रिस्पी-कुरकुरे हों। हालांकि आपने एक चीज जरूर नोटिस की होगी कि कढ़ाई में से तुरंत निकले पकौड़े तो फिर भी क्रिस्पी रहते हैं। लेकिन कुछ देर बाद ये इतने नर्म हो जाते हैं की इनका स्वाद फीका पड़ जाता है। वहीं अगर आपने बाजार के पकौड़े, समोसे या कचौड़ी खाएं होंगे, तो देखा होगा कि ठंडे होने के बाद भी ये उतने ही क्रिस्पी रहते हैं और इनके स्वाद में ज्यादा फर्क नहीं आता। तो क्या घर के पकौड़ों को भी हम ज्यादा देर तक क्रिस्पी बनाकर नहीं रख सकते? बिल्कुल रख सकते हैं, इन छोटे-छोटे हलवाई स्पेशल हैक्स के साथ। आइए जानते हैं ये कमाल की टिप्स।

देर तक कुरकुरे रहेंगे पकौड़े

1 पकौड़े कुरकुरे ही अच्छे लगते हैं, लेकिन सही तकनीक के अभाव में बहुत जल्दी मुलायम भी हो जाते हैं। पकौड़े तलते वक्त तेल के तापमान पर ध्यान दें। तेल गर्म हो जाए तो आंच को मध्यम करके पकौड़ों को तलें। ठंडे तेल को पकौड़े ज्यादा सोखते हैं, वहीं ज्यादा गर्म तेल के कारण अधपके रह जाते हैं।

2 अगर आप चाहती हैं कि बाजार वाले पकौड़ों का कुरकुरापन घर के बने पकौड़ों में भी आए तो पकौड़े के लिए घोल तैयार करते वक्त उसमें दो से तीन चम्मच चावल का आटा या फिर कॉर्नफ्लोर मिला दें।

3 बाजार में मिलने वाले समोसे आदि पहले से तलकर रखे जाते हैं और ग्राहक को देने से पहले उन्हें दोबारा तला जाता है। आप भी इस ट्रिक को आजमाएं। जो भी स्नैक्स बना रही हैं, उन्हें मध्यम आंच पर पहले से तलकर रख लें। जब वे ठंडे हो जाएं तो तेज आंच पर उन्हें दोबारा तलकर सर्व करें।

4 समोसे, पकौड़े और कचौड़ी आदि तो गर्मागर्म ही अच्छे लगते हैं, पर इन्हें कड़ाही से निकालने के बाद तुरंत ढकने की गलती न करें। गर्मागर्म पकौड़ों से भाप निकलेगा और ढक देने के कारण भाप की वजह से पकौड़ों का टेक्सचर खराब हो जाएगा।

5 पकौड़ों को क्रिस्पी बनाने के लिए घोल तैयार करते वक्त उसमें चुटकी भर बेकिंग सोडा मिला दें। पकौड़े फूले हुए बनेंगे और काफी देर तक उनका स्वाद बरकरार रहेगा। इसी तरह पकौड़े के घोल में एक चम्मच अरारोट पाउडर मिला देने से भी वे घंटों तक क्रिस्पी और स्वादिष्ट रहते हैं।

सर्दी-जुकाम से परेशान है बच्चा? देखभाल के लिए अपनाएं दादी-नानी के देसी नुस्खे

जालंधर ब्रीज (फीचर) . मौसम बदलने पर अक्सर लोग सर्दी-ज़ुकाम की चपेट में आ जाते हैं, खासतौर से बच्चों में ये दिक्कत ज्यादा होती है। अगर आपके बच्चे को सर्दी जुकाम की दिक्कत हो रही है तो यहां बताए गए दादी-नानी के देसी नुस्खों को अपनाएं।

दादी नानी के देसी नुस्खे

1) सरसों के तेल से मालिश : बच्चों को सर्दी-ज़ुकाम हो जाएं तो सरसों के तेल को कुटे हुए लहसुन और अजवाइन के साथ गर्म करें। लहसुन और अजवायन सूजन-रोधी होती है, ऐसे में इन दोनों चीजों से बंद वायुमार्ग खुलने में मदद मिलती है। गुनगुने तेल को बच्चे की छाती, पैरों, पीठ पर लगाएं और धीरे से मालिश करें। दादी-नानी कहती हैं कि इससे ब्लड फ्लो बेहतर होता है और नाक बंद होने की समस्या कम होती है।

2) नीलगिरी का तेल : रुई के फाहे पर नीलगिरी के तेल की कुछ बूंदें डालें और बच्चे के कपड़ों पर लगाएं। इसके रोगाणुरोधी और बंद नाक खोलने वाले गुण बंद नाक की दिक्कत को दूर करते हैं और सांस लेने में तकलीफ को कम करते हैं।

3) अजवाइन का धुआं : अजवाइन को गरम तवे पर सूखा भून लें और बच्चे को थोड़ी दूरी से धीरे से धुआं लेने दें। अजवाइन के धुएं में बंद नाक खोलने वाले गुण होते हैं और यह नाक को प्राकृतिक रूप से साफ करने में मदद करता है।

4) अजवाइन पोटली का सेक : अजवाइन को गर्म करें और उन्हें एक साफ कपड़े में लपेटें। अब इस पोटली को छाती और पीठ पर हल्के से दबाएं। अजवायन में प्राकृतिक सूजन-रोधी गुण होते हैं, जो सीने की जकड़न और सर्दी के लक्षणों को कम करता है।

5) हल्दी तुलसी शॉट्स : हल्दी और तुलसी के पत्तों को पानी में 2-3 मिनट तक उबालें। फिर इस पानी को बच्चे को दें। हल्दी के जीवाणुरोधी गुण और तुलसी के इम्यूनिटी बूस्ट करने वाले प्रभाव संक्रमण से लड़ने और गले की सूजन को कम करने में मदद करते हैं। हालांकि, ये पानी 1 साल से ज्यादा उम्र के बच्चे को दें।

6) विक्स स्टीमर : स्टीमर में थोड़ा सा विक्स बेबी रब डालें और बच्चे के कमरे में रख दें। इससे हवा में नमी आती है, जिससे जकड़न और नाक साफ हो जाती है जिससे बच्चा आसानी से सांस ले पाता है।

डिस्क्लेमर : *यह लेख मात्र सामान्य जानकारी के लिए है। किसी भी प्रयोग से पहले विशेषज्ञ की राय अवश्य लें।*

बैली फैट से निजात दिला सकती है 10 मिनट की मेडिटेशन

fitness

एक्सपर्ट कहते हैं कि अपनी रोजमर्रा की आदतों में थोड़ा सा बदलाव करके आप बड़ी आसानी से अपना वेट लॉस कर सकते हैं। हाल ही में ऋषभ ने अपनी एक इंस्टाग्राम पोस्ट में बैली फैट कम करने के लिए 6 असरदार टिप्स शेयर किए हैं।

• **जालंधर ब्रीज.** हेल्थ केयर

बढ़ता मोटापा आज हर दूसरे व्यक्ति के लिए एक बड़ी समस्या बन गया है। बिजी लाइफस्टाइल और खानपान की खराब आदतों ने इस समस्या को और ज्यादा बढ़ा दिया है। घंटों एक जगह बैठकर काम करने से व्यक्ति की कमर के आसपास चर्बी जमा होने लगती है। जो ना सिर्फ देखने में खराब लगती है बल्कि सेहत से जुड़े कई रोगों की भी घंटी हो सकती है। रोजाना 10 मिनट की मेडिटेशन को भी बेहद असरदार है मोटापा को कम करने के लिए।

पर्याप्त नींद लें

जल्दी वेट लॉस करने के लिए एक्सपर्ट सबसे पहले अच्छी नींद लेने की सलाह देते हैं। एक्सपर्ट कहते हैं कि अपर्याप्त नींद भूख को नियंत्रित करने वाले हार्मोन को बाधित करके भूख को बढ़ाती है। जिससे व्यक्ति ओवरईटिंग करने लगता है और उसका वजन बढ़ जाता है। ऐसे में मोटापा कंट्रोल रखने के लिए रोजाना 7-9 घंटे की नींद जरूर लें।

वेट लॉस एक्टिविटी

एक्सपर्ट कहते हैं कि वर्कआउट के अलावा की जाने वाली एक्टिविटी असल में आपकी वेट लॉस जर्नी को आसान बनाती हैं। इसके लिए जिम के अलावा आप 10,000 कदम पैदल चलने और लिफ्ट की जगह सीढ़ियों से चढ़ने-उतरने का लक्ष्य रखें।

मेडिटेशन करें

एक्सपर्ट जल्दी हेल्दी वेट लॉस के लिए स्ट्रेस फ्री रहने की सलाह देते हैं। एक्सपर्ट का कहना है कि लंबे समय तक तनाव में रहने से पेट और उसके आसपास की जगह पर चर्बी जमा होने लगती है। ऐसे में तनाव कम करने के लिए रोजाना 10 मिनट मेडिटेशन करने की कोशिश करें। यह आपका तनाव दूर करके जादुई तरीके से वेट लॉस करने में मदद करता है।

जंक फूड से बनाएं दूरी

एक्सपर्ट कहते हैं कि भूख लगने पर अगर आप कुछ भी खा लेते हैं तो अपनी इस आदत को तुरंत बदल डालिए। अगर आप असल में अपना वजन कम करना चाहते हैं तो उसकी शुरुआत सबसे पहले किचन से रखे जंक फूड को हटाकर करें।

क्रैश डाइट से बचें

एक्सपर्ट बताते हैं कि क्रैश डाइट करने से भले ही कुछ समय के लिए वेट लॉस में मदद मिल सकती हो लेकिन यह लंबे समय में आपके मेटाबॉलिज्म को नुकसान पहुंचा सकती है। एक हेल्दी वेट लॉस के लिए व्यक्ति को अपनी रोजमर्रा की आदतों में बदलाव लाना जरूरी है।

हाइड्रेट रहें

वेट लॉस के लिए एक्सपर्ट सलाह देते हैं कि अपनी बॉडी को हाइड्रेट जरूर रखें। दरअसल, खाने से पहले पानी पीने से भूख कम लगती है। जिससे व्यक्ति ओवरईटिंग करने से बच जाता है और उसे वेट लॉस में मदद मिलती है।

डिस्क्लेमर : *यह लेख मात्र सामान्य जानकारी के लिए है। किसी भी प्रयोग से पहले विशेषज्ञ की राय अवश्य लें।*

ऐतिहासिक भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौता- नए भारत के लिए एक बड़ी उपलब्धि

जालंधर ब्रीज . भारत-ब्रिटेन व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौता (सीईटीए) भारतीय किसानों, मछुआरों, कारीगरों और व्यवसायों को वैश्विक स्तर पर पहचान देने के साथ-साथ रोज़गार के असंख्य अवसरों का सृजन करेगा और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दृष्टिकोण के अनुरूप लोगों को प्रतिस्पर्धी दरों पर उच्च-गुणवत्ता वाली वस्तुएं प्राप्त करने में सहायता प्रदान करेगा।

भारत और ब्रिटेन व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौता (सीईटीए), ऑस्ट्रेलिया, यूरोप के मुक्त व्यापार समझौते और संयुक्त अरब अमीरात सहित अन्य विकसित देशों के साथ इसी तरह के समझौतों के अनुरूप है। यह मोदी सरकार के विकसित भारत 2047 के स्वप्न को साकार करने के क्रम में आर्थिक विकास और रोज़गार सृजन को अधिकतम करने की रणनीति का एक हिस्सा है।

प्रधानमंत्री की रणनीति- वर्ष 2014 में, मोदी सरकार ने भारतीय अर्थव्यवस्था में वैश्विक विश्वास को पुन: स्थापित करने तथा इसे भारतीय और विदेशी निवेशकों के लिए आकर्षक गंतव्य बनाने के लिए एक दृढ़ रणनीति अपनाई। विकसित देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) पर हस्ताक्षर करना, इस व्यापक रणनीति का एक हिस्सा है। एफटीए, व्यापार नीतियों के बारे में अनिश्चितताओं को दूर करते हुए निवेशकों का विश्वास भी बढ़ाते हैं।

विकसित देशों के साथ एफटीए, जिनके भारत के साथ प्रतिस्पर्धी व्यापारिक हित नहीं हैं, दोनों पक्षों के लिए लाभप्रद है, जबकि पिछली सरकार ने भारत के दरवाजे प्रतिद्वंद्वी देशों के लिए खोलकर भारतीय व्यवसायों को खतरे में डालने का रवैया अपनाया था।

यूपीए शासनकाल में, विकसित देशों ने भारत के साथ व्यापार वार्ता लगभग रोक दी थी और उस समय भारत को दुनिया की "पाँच कमजोर" अर्थव्यवस्थाओं में से एक माना जाता था। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में, भारत का सकल घरेलू उत्पाद वर्ष 2014 से लगभग तीन गुना बढ़कर लगभग 331 लाख करोड़ रुपये हो गया है। क्रांतिकारी सुधारों, व्यापार में आसानी और प्रधानमंत्री के वैश्विक व्यक्तित्व ने भारत को एक आकर्षक गंतव्य के रूप में उभरने में सहायता की है। आज, दुनिया भारत की अद्भुत गाथा में भागीदारी के साथ-साथ एफटीए पर हस्ताक्षर करना चाहती है।

बाजार पहुंच, प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त- यह एफटीए ब्रिटेन के बाजार के सभी क्षेत्रों में भारतीय वस्तुओं के लिए व्यापक बाजार पहुंच सुनिश्चित करेगा। यह लगभग 99 प्रतिशत टैरिफ लाइनों के टैरिफ को समाप्त करते हुए व्यापार मूल्य के लगभग 100 प्रतिशत को कवर करता है। इस समझौते के अंतर्गत 56 बिलियन डॉलर के द्विपक्षीय व्यापार से सृजित होने वाले व्यापक अवसरों के वर्ष 2030 तक दोगुना होने का अनुमान है।

छोटे व्यवसाय समृद्ध होंगे, क्योंकि भारतीय उत्पादों को प्रतिद्वंद्वियों पर स्पष्ट प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त हासिल होगी। फुटबॉल, क्रिकेट उपकरण, रग्बी गेंदें और खिलौने बनाने वाली कंपनियों का ब्रिटेन में अपने कारोबार में उल्लेखनीय विस्तार होगा।

असंख्य रोज़गार- आकर्षक बाज़ार में भारत की प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त से निर्यात स्थायित्व के साथ-साथ निवेश और रोजगार सृजन में वृद्धि होगी। भारत वस्त्र, चमड़ा और जूते से जुड़े क्षेत्रों में ब्रिटेन को आपूर्ति करने वाले तीन प्रमुख आपूर्तिकर्ताओं में से एक बनने की शानदार स्थिति में है और इससे भारत को वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं में प्रमुख क्षमता के रूप में उभरने में सहायता मिलने के साथ ही यह छोटे व्यावसायियों, कारीगरों और महिलाओं को भी सहायता प्रदान करेगा।

पीयूष गोयल
(लेखक भारत के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री हैं)

रत्न एवं आभूषण, इंजीनियरिंग सामान, रसायन और फोन जैसे इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों के निर्यात में भी वृद्धि होने की आशा है।

किसान प्रथम- 95 प्रतिशत से अधिक कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य टैरिफ लाइनों पर शून्य शुल्क लगेगा, जिससे कृषि-निर्यात और ग्रामीण समृद्धि में तीव्र वृद्धि का मार्ग प्रशस्त होगा।

शुल्क-मुक्त बाज़ार पहुंच से अगले तीन वर्षों में कृषि निर्यात में 20 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि होने का अनुमान है, जो वर्ष 2030 तक भारत के 100 अरब डॉलर के कृषि-निर्यात के लक्ष्य को पूरा करने में योगदान देगा। यह मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) भारतीय किसानों के लिए प्रीमियम ब्रिटिश बाज़ार को खोल देगा, जो जर्मनी, नीदरलैंड और अन्य यूरोपीय संघ के देशों को मिलने वाले लाभों के बराबर या उससे भी अधिक होगा।

हल्दी, काली मिर्च, इलायची और प्रसंस्कृत उत्पाद जैसे आम का गूदा, अचार और दालों को भी शुल्क-मुक्त पहुंच प्राप्त होगी। निर्यात बढ़ने से कृषि आय में वृद्धि होगी तथा गुणवत्ता, पैकेजिंग और प्रमाणन को अधिक प्रोत्साहन मिलेगा। इससे कृषि मूल्य श्रृंखला में रोज़गार के असंख्य अवसर सृजित होंगे।

कमज़ोर वर्गों की सुरक्षा- घरेलू किसानों की सुरक्षा के लिए एफटीए में भारत के सबसे संवेदनशील कृषि क्षेत्रों को बाहर रखा गया है। भारत ने डेयरी उत्पादों, सेब, जई और खाद्य तेलों पर कोई शुल्क रियायत नहीं दी है।

ये रियायतें, मोदी सरकार की खाद्य सुरक्षा, घरेलू मूल्य स्थिरता और कमज़ोर कृषक समुदायों को प्राथमिकता देने की रणनीति को रेखांकित करती हैं।

मछुआरों का विकास- भारतीय मछुआरे, विशेष रूप से आंध्र प्रदेश, ओडिशा, केरल और तमिलनाडु के मछुआरे, ब्रिटेन के समुद्री आयात बाजार तक पहुंच के माध्यम से उल्लेखनीय विस्तार का अनुभव करेंगे।

झींगा और अन्य समुद्री उत्पादों पर ब्रिटेन का आयात शुल्क वर्तमान 20 प्रतिशत से घटकर शून्य हो जाएगा।

यह संभावना अभूतपूर्व है क्योंकि ब्रिटेन के 5.4 अरब डॉलर के समुद्री आयात में भारत की हिस्सेदारी केवल 2.25 प्रतिशत है।

सेवाएं और पेशेवर-यह समझौता आईटी/आईटीईएस, वित्तीय सेवा और शिक्षा सहित विभिन्न सेवाओं को गति प्रदान करेगा और भारतीयों के लिए नवीन अवसरों का सजृन करेगा। इस समझौते में संविदा सेवा प्रदाता, व्यावसायिक यात्री, निवेशक, योग प्रशिक्षक, संगीतकार और रसोइये सहित कुशल पेशेवरों के लिए भारत ने अनुकूल गतिशीलता प्रावधान सुनिश्चित किए हैं।

अभिनव एफटीए-प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में, भारत के एफटीए में वस्तुओं और सेवाओं के अलावा अन्य महत्वपूर्ण बातें शामिल हैं। इस एफटीए ने नए मानक स्थापित किए हैं। इस ईएफटीए के साथ, भारत ने 100 अरब डॉलर के निवेश की बाध्यकारी प्रतिबद्धता हासिल की है, जिससे भारत में 10 लाख प्रत्यक्ष रोजगार सृजित होंगे। ऑस्ट्रेलिया के एफटीए के साथ, भारत ने दोहरे कराधान के मुद्दे का समाधान किया, जो आईटी कंपनियों के लिए एक बाधा बना हुआ था।

इस एफटीए का एक सबसे महत्वपूर्ण पहलू दोहरा अंशदान समझौता है। यह ब्रिटेन में नियोक्ताओं और अस्थायी भारतीय कर्मचारियों को तीन वर्षों के लिए सामाजिक सुरक्षा अंशदान से छूट देता है। इससे भारतीय सेवा प्रदाताओं की प्रतिस्पर्धा में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

उपभोक्ताओं के लिए गुणवत्तापूर्ण वस्तुएं-व्यापार समझौते प्रतिस्पर्धा बढ़ाते हैं, जिससे भारतीय उपभोक्ताओं को प्रतिस्पर्धी कीमतों पर उच्च-गुणवत्ता युक्त वस्तुएं प्राप्त करने में सहायता मिलती है। मोदी सरकार ने गुणवत्ता को प्रोत्साहन और बढ़ावा देने के लिए नीतिगत समर्थन प्रदान किया है, गुणवत्ता नियंत्रण आदेश जारी किए हैं और मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) पर वार्तालाप किया है।

सरकार ने किसी भी मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर करने से पहले उद्योग जगत और अन्य हितधारकों के साथ व्यापक हितधारक परामर्श किया है। यह जानकर प्रसन्नता का अनुभव होता है कि उद्योग निकायों ने मोदी सरकार द्वारा हस्ताक्षरित प्रत्येक मुक्त व्यापार समझौते का भारी समर्थन और स्वागत किया गया है।

सीईटीए बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच न्यायसंगत और महत्वाकांक्षी व्यापार समझौतों के लिए एक मानक है। यह हमारे मूल हितों से समझौता किए बिना, वंचित समुदायों के लिए आकर्षक वैश्विक अवसरों के द्वार खोलता है। यह इस बात का एक ज्वलंत उदाहरण है कि नया भारत व्यापार किस प्रकार करता है।

शौर्य भारत ईवी कार रैली : वायुसेना स्टेशन आदमपुर में आगमन समारोह आयोजित

• **जालंधर ब्रीज .** जालंधर

वायुसेना प्रमुख, एयर चीफ मार्शल एपी सिंह द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया शौर्य भारत ईवी अभियान 25 से 27 जुलाई, 2025 तक चलने वाली अपनी तीन दिवसीय रैली के तहत वायुसेना स्टेशन आदमपुर पहुँचा। "सेना के साथ पर्यावरण का विकास" थीम पर आधारित इस रैली का उद्देश्य भारत के रक्षा कर्मियों को श्रद्धांजलि देते हुए पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा देना है। इस कार रैली का उद्देश्य "ऑपरेशन सिंदूर" की सफलता का स्मरण करना और हमारे सशस्त्र बलों की वीरता का सम्मान करना है।

आदमपुर वायुसेना स्टेशन पर आगमन समारोह का संचालन एयर कमोडोर बृजेश पॉल, वायुसेना स्टेशन आदमपुर के एयर ऑफिसर कमांडिंग ने विशिष्ट अतिथियों की उपस्थिति में किया। यह आयोजन भारत की सबसे बड़ी शक्तियों: भारतीय सशस्त्र बलों के अदम्य साहस और पर्यावरणीय स्थिरता के प्रति राष्ट्र की प्रतिबद्धता के एक शक्तिशाली संगम का प्रतिनिधित्व करता है। यह आयोजन नागरिक-सैन्य सहभागिता को बढ़ावा देता है और स्वच्छ ऊर्जा, ज़िम्मेदार गतिशीलता और पर्यावरण संरक्षण के लिए भारत के प्रयासों को रेखांकित करता है। वायु सेना, थलसेना, नौसेना, डीआरडीओ, तटरक्षक बल, एनसीसी और रक्षा मंत्रालय के कुल 112 प्रतिभागी इस रैली का हिस्सा हैं। यह रैली युवाओं से बातचीत करने, उन्हें प्रेरित करने और उन्हें सशस्त्र बलों में करियर बनाने के लिए प्रेरित करने के लिए रास्ते में पड़ने वाले कॉलेजों/विश्वविद्यालयों का दौरा करेगी, जिसमें साहस, अनुशासन और देशभक्ति के मूल्यों पर ज़ोर दिया जाएगा।

यह रैली प्रोग्रेस हार्मनी डेवलपमेंट चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (PHDCCI) द्वारा भारतीय वायु सेना एडवेंचर विंग के सहयोग से आयोजित की जा रही है। यह रैली 40 प्रायोजित टाटा वाहनों में लगभग 800 किलोमीटर की दूरी तय करेगी, जिनमें मुख्य रूप से इलेक्ट्रिक वाहन (EV) और हाइब्रिड वाहन शामिल हैं, जो भारत के रक्षा कर्मियों के प्रति एक विशेष श्रद्धांजलि है।

वज्र कोर ने गरिमापूर्ण श्रद्धा और राष्ट्रीय गौरव के साथ कारगिल विजय दिवस की 26वीं वर्षगांठ मनाई

• **जालंधर ब्रीज .** जालंधर

जालंधर छावनी, जुलाई 26, 2025: कारगिल विजय दिवस की 26वीं वर्षगांठ वज्र कोर द्वारा पूर्ण सैन्य सम्मान और गंभीर श्रद्धा के साथ मनाई गई - यह 1999 के ऑपरेशन विजय में भारतीय सेना के अटल साहस और परम बलिदान को समर्पित एक गंभीर और भावपूर्ण श्रद्धांजलि थी।

इस अवसर से पूर्व, वज्र कोर की सभी इकाइयों ने स्मरण और जन-संपर्क कार्यक्रमों की एक श्रृंखला आयोजित की। कारगिल युद्ध के वीरों, वीर नारियों और वीर माताओं से ससम्मान भेंट कर उनके अद्वितीय योगदान को नमन किया गया। उनकी प्रेरणादायक गाथाओं को जनमानस तक पहुँचाने के लिए अनेक जनजागरण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इसके साथ-साथ युवाओं और बच्चों में देशभक्ति और ऐतिहासिक चेतना जागृत करने हेतु व्याख्यान, वाद-विवाद, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताएँ और चित्रकला प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं।

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रहा एक गंभीर पुष्पांजलि समारोह, जिसमें पूर्व सैनिकों, सेवा में कार्यरत जवानों तथा उनके परिजनों ने सहभागिता की। वज्र कोर के जनरल ऑफिसर कमांडिंग ने शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की और उपस्थित जनसमूह को संबोधित किया। अपने उद्बोधन में उन्होंने कारगिल युद्ध में भारतीय सैनिकों के अद्वितीय शौर्य की सराहना की और शहीद परिवारों के प्रति सेना की अटूट प्रतिबद्धता को दोहराया। उन्होंने सभी अधिकारियों और जवानों से आह्वान किया कि वे इन बलिदानी वीरों की विरासत से प्रेरणा लें और भारतीय सेना की गौरवशाली परंपराओं तथा तिरंगे की मर्यादा को सदैव बनाए रखें।

कारगिल विजय दिवस, जो प्रतिवर्ष 26 जुलाई को मनाया जाता है, उस ऐतिहासिक विजय की स्मृति है जब भारतीय सैनिकों ने कठिन भौगोलिक परिस्थितियों, भीषण मौसम, और सुदृढ़ शत्रु चौकियों के विरुद्ध अद्वितीय साहस और दृढ़ संकल्प के साथ प्रत्येक इंच भारतीय भूमि को पुनः प्राप्त किया।

वज्र कोर द्वारा आयोजित यह स्मरण समारोह न केवल राष्ट्र की सेवा में दिए गए बलिदानों की गूंज को पुनर्जीवित करता है, बल्कि इस सामूहिक संकल्प को भी पुष्ट करता है -"न कभी भूलेंगे, न कभी क्षमा करेंगे - और हर क्षण तैयार रहेंगे मातृभूमि की रक्षा के लिए संकल्प, साहस और सम्मान के साथ।"

'ऑपरेशन महादेव' में पहलगाम हमले के आतंकियों को मिट्टी में मिलाया : शाह

• **जालंधर ब्रीज .** नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के माध्यम से आतंकियों के आकाओं को मारा और 'ऑपरेशन महादेव' में पहलगाम हमले में शामिल आतंकियों को मिट्टी में मिलाया।

सेना, CRPF और J&K पुलिस के संयुक्त 'ऑपरेशन महादेव' में पहलगाम हमले के तीनों आतंकी सुलेमान उर्फ फैजल जट, हमजा अफगानी और जिब्रान मार दिए गए।

आतंकियों के मारे जाने की सूचना सुनने पर विपक्ष में भी ख़ुशी की लहर दौड़नी चाहिए थी लेकिन उनके चेहरे पर तो स्याही पड़ गई।

विपक्षी सरकार के तत्कालीन गृह मंत्री "आतंकी पाकिस्तान से आये थे" इसका सबूत मांग कर पाकिस्तान को क्लीन चिट देने का काम कर रहे हैं।

विपक्ष द्वारा पाकिस्तान को बचाने का षड्यंत्र 140 करोड़ भारतवासी जान चुके हैं विपक्ष अब बच नहीं पाएगा।

मोदी सरकार में हमारी सेना ने विपक्षी सरकार के समय में हुए आतंकी हमलों के दोषियों को भी पाकिस्तान में घुस कर मारा।

मोदी सरकार में आतंकी हमले पर डोजियर नहीं भेजे जाते, बल्कि आतंकियों और उसके ठिकानों को जमींदोज किया जाता है।

ऑपरेशन सिंदूर ने पूरी दुनिया में पाकिस्तान को एक्सपोज कर दिया और हमारी सेना ने पाकिस्तान की युद्ध क्षमता को तहस-नहस कर दिया।

आज यदि कश्मीर का एक हिस्से पर पाकिस्तान का अवैध कब्जा है, तो इसके एकमात्र जिम्मेदार पंडित जवाहरलाल नेहरू हैं।

POK के अस्तित्व का कारण जवाहरलाल नेहरु की गलती है।

1971 की लड़ाई में सेना ने तो पाकिस्तान को हरा दिया, लेकिन विपक्ष की तत्कालीन सरकार ने 15,000 किमी की जीती हुई भूमि भी वापस लौटा दी और POK भी नहीं ले पाई।

सारे आतंकवाद की जड़ पाकिस्तान है, जो विपक्ष की एक भूल है, अगर देश का विभाजन न हुआ होता तो आज पाकिस्तान ही नहीं होता।

आज चीन UNSC का सदस्य और भारत UNSC से बाहर है, तो इसके लिए केवल नेहरु जिम्मेदार हैं।

जब भारत की सेना डोकलाम में चीन के साथ लड़ रही थी, तब विपक्ष के नेता चीनी अधिकारियों के साथ मुलाकात कर रहे थे।

2004 में विपक्षी सरकार ने POTA कानून रद्द कर आतंकवाद के खिलाफ भारत की लड़ाई को कमजोर किया।

मोदी सरकार में कश्मीर केंद्रित आतंकी घटनाओं को छोड़कर देश के बाकी हिस्से में कोई बड़ी आतंकी घटना नहीं हुई।

कल तक विपक्ष बोल रहा था बैसरन के आतंकी पाकिस्तान भाग गए, लेकिन हमने तो आतंकियों को ठोक दिया।

दाउद इब्राहिम, सैयद सलाहुद्दीन, टाइगर मेमन, अनीस इब्राहिम, रियाज भटकल, इकबाल भटकल, मिर्जा सादा बेग... ये सभी आतंकी विपक्षी सरकार के कार्यकाल के दौरान देश से भागे।

2004-2014 के 10 वर्षों में 7,217 आतंकी घटनाएं हुई जबकि मोदी सरकार में यह 70% तक घट गई।

धारा 370 के समाप्त होने के बाद कश्मीर में आतंकवादी इकोसिस्टम को नष्ट कर दिया गया है।

पहले आतंकियों के जनाजे में भीड़ जुटती थी, आज आतंकियों को जहाँ मारा जाता है, वहीं दफना दिया जाता है।

विपक्षी सरकार के कार्यकाल में एक साल में 2,654 स्टोन पेल्टिंग की घटनाएं हुई, मोदी सरकार में स्टोन पेल्टिंग की घटनाएँ जीरो हो गयी।

विपक्षी सरकार के कार्यकाल के दौरान एक साल में 132 दिन पाक प्रायोजित हड़ताल के कारण घाटी बंद रहती थी, मोदी सरकार में पिछले तीन साल से अब तक घाटी में एक भी हड़ताल नही हुई।

मोदी सरकार ने 2019 के बाद कश्मीर में आतंकियों को पोषित करने वाले दर्जनों संगठनों को बैन किया।

जो भी हमारी सीमा पर घुसपैठ करेगा, मारा जाएगा, हम आतंकवाद को ख़त्म करके रहेंगे।

POTA रद्द करने वालों और टेररिस्टों का बचाव कर वोट बैंक की राजनीति करने वालों को मोदी जी की आतंक विरोधी नीति पसंद नहीं आती।

पहलगाम के बाद बिहार में दिया गया मोदी जी का भाषण आंतकवाद के खिलाफ लड़ाई में 140 करोड़ लोगों का प्रतिशोध है, जो विपक्ष को नहीं दिखता... जिसका जैसा चश्मा होता है, उसकी वैसे ही दृष्टि होती है।

मोदी सरकार आतंकवादियों को पनाह देने वालों को विपक्षी सरकार की तरह विक्टिम का सर्टिफिकेट नहीं देती।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने पहलगाम आतंकी हमले के जबाव में भारत के मज़बूत, सफल और निर्णायक 'ऑपरेशन सिंदूर' पर आज लोक सभा में हुई विशेष चर्चा में भाग लिया।

चर्चा में भाग लेते हुए केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने पहलगाम में निर्दोष नागरिकों का धर्म पूछकर की गई हत्या की घोर निंदा किया।

लाखों रुपए की खरीदी हुई मशीनरी किसकी वजह से हुई कंडम?

• लाखों रुपये खर्च कर खरीदी मशीन की दयनीय हालत। (दाएं) पत्ते डालने के लिए पार्क में बनाए गए गड्ढे।

• **जालंधर ब्रीज .** विशेष रिपोर्टर

जालंधर शहर को साफ़-सुथरा बनाने के लिए नगर निगम जालंधर ने कुछ साल पहले एक मशीन खरीदी थी, जिसकी कीमत लगभग लाखों रुपये में है।

इस मशीन का मकसद था शहर में पेड़ों से गिरने वाले पत्तों को इकट्ठा कर उनसे खाद बनाना, ताकि शहर के पार्कों और सड़कों की सफाई बनी रहे।

यह मशीन बल्टन पार्क में लगाई गई थी ताकि पार्क में लगे पेड़ों से गिरने वाले पत्ते वहीं प्रोसेस होकर खाद बन सकें। लेकिन बागवानी विभाग की लापरवाही के चलते यह मशीन खरीद के पहले दिन से ही बेकार पड़ी है।

बल्टन पार्क सोसाइटी के लोग बताते हैं कि पहले पेड़ों के सूखे पत्तों को इकट्ठा कर जला दिया जाता था, जिससे प्रदूषण फैलता था और पार्क में सैर के लिए आने वाले लोगों को परेशान होना पड़ता था। अब सोसाइटी ने पार्क में बड़े-बड़े गड्ढे बना दिए हैं जिनमें पत्तों को डाल दिया जाता है, लेकिन यह काम मशीन से नहीं हो रहा बल्कि हाथों से हो रहा है।

ऐसे में जनता से वसूला गया टैक्स बर्बाद हो रहा है। अगर मशीन खरीदी गई थी तो उसे चलवाने के लिए कर्मचारी भी तैनात होने चाहिए थे और जिम्मेदार अधिकारी को इस पर निगरानी रखनी चाहिए थी।

जनता का पैसा सही जगह इस्तेमाल हो, इसके लिए जरूरी है कि जब कोई मशीन खरीदी जाए तो उसे इस्तेमाल भी किया जाए और उसकी जवाबदेही तय हो। जिस अधिकारी की लापरवाही से यह हालत हुई है, उस पर कार्रवाई होनी चाहिए ताकि भविष्य में प्रशासन की ऐसी लापरवाही न हो।

जालंधर में एक और अनधिकृत निर्माण ध्वस्त

सिविल और पुलिस अधिकारियों ने कुख्यात नशा तस्कर के खिलाफ की सख्त कार्रवाई, आरोपी के खिलाफ 18 एफआईआर दर्ज

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

'युद्ध नशे के विरुद्ध' अभियान के तहत एक निर्णायक कदम उठाते हुए जालंधर नगर निगम ने जालंधर कमिश्नरेट पुलिस के सहयोग से गुरुवार को पक्का बाग इलाके में एक कुख्यात नशा तस्कर के अवैध निर्माण को ध्वस्त कर दिया। इस कार्रवाई का नेतृत्व करते हुए पुलिस कमिश्नर धनप्रीत कौर ने बताया कि पक्का बाग इलाके में हरविंदर सिंह के अवैध निर्माण को ध्वस्त कर दिया गया है। हरविंदर सिंह एक कुख्यात नशा तस्कर है, जिसके खिलाफ एन.डी.पी.एस एक्ट, शराब तस्करी और अन्य धाराओं के तहत 18 एफ.आई.आर. दर्ज हैं। पुलिस कमिश्नर ने कहा कि यह कार्रवाई नशा माफिया के लिए एक कड़ा संदेश है। उन्होंने कहा कि नशा तस्करों की अवैध संपत्तियों को ध्वस्त करके न केवल कानून का पालन हो रहा है, बल्कि आस-पास के इलाकों को भी नशे के चंगुल से मुक्त किया जा रहा है।

कमिश्नरेट पुलिस द्वारा नशीले पदार्थों के नेटवर्क को पूरी तरह से खत्म करने की वचनबद्धता दोहराते हुए, उन्होंने नागरिकों से सरकार द्वारा जारी व्हाट्सएप नंबर 9779-100-200 पर नशे से संबंधित जानकारी सांझा करने की अपील की। उन्होंने कहा कि सूचना देने वालों की पहचान गोपनीय रखी जाएगी। जालंधर कमिश्नरेट पुलिस की इस पहल का स्थानीय निवासियों ने स्वागत किया। उन्होंने सरकार के साहसिक कदमों की सराहना की और कहा कि इससे नशा तस्करों को कड़ा संदेश जाएगा और जनता का विश्वास बढ़ेगा। लोगों ने राज्य में नशे के खिलाफ चल रही जंग में इस तरह की कार्रवाई को ऐतिहासिक और नशा मुक्त पंजाब बनाने की दिशा में एक आवश्यक कदम बताया।

62 करोड़ की जीएसटी चोरी का भंडाफोड़, अब तक दो गिरफ्तार

• **जालंधर ब्रीज.** लुधियाना

विशेष खुफिया जानकारी के आधार पर, केंद्रीय जीएसटी लुधियाना द्वारा ऑडियो-वीडियो प्रोडक्शन क्षेत्र की कई फर्मों के विरुद्ध जांच की गई, जिसमें 62 करोड़ रुपये की जीएसटी चोरी का खुलासा हुआ है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि इन फर्मों ने 342 करोड़ रुपये मूल्य की सेवाएं विदेशी संस्थाओं से आयात की थीं और उस पर जीएसटी का भुगतान नहीं किया। जांच में यह भी सामने आया है कि इन फर्मों ने जीएसटी कानूनों के अंतर्गत निर्धारित कोई भी दस्तावेजी प्रक्रिया का पालन नहीं किया, जिससे यह स्पष्ट होता है कि यह कर चोरी सुनियोजित और जानबूझकर की गई।

इन फर्मों को संचालित करने और बनवाने में शामिल दो व्यक्तियों को कल, अर्थात् 30 जुलाई 2025 को गिरफ्तार किया गया। अब तक की गई इन दो गिरफ्तारियों के साथ, जांच अभी जारी है ताकि इस नेटवर्क की पूरी श्रृंखला और चोरी की कुल राशि का पता लगाया जा सके।

सीजीएसटी लुधियाना आयुक्तालय ईमानदार करदाताओं के लिए समान अवसर सुनिश्चित करने और कर धोखाधड़ी की पहचान करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता को दोहराता है।

जालंधर प्रशासन ने लंग केयर फाउंडेशन के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर किए

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

वायु प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन का बढ़ता संकट स्वास्थ्य और पर्यावरण के लिए हर गुजरते दिन के साथ गंभीर चुनौतियां पैदा कर रहा है। सामूहिक और स्थानीय स्तर पर समाधानों की आवश्यकता को समझते हुए, जालंधर जिला प्रशासन ने स्वच्छ वायु और स्वस्थ समुदायों के लिए निरंतर कार्रवाई को आगे बढ़ाने हेतु लंग केयर फाउंडेशन के साथ एक एम.ओ.यू पर हस्ताक्षर किए हैं।

इस एमओयू पर अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नर(ज) अमनिंदर कौर बराड़ और लंग केयर फाउंडेशन के संस्थापक-ट्रस्टी डा.राजीव खुराना ने हस्ताक्षर किए। उन्होंने जालंधर जिले में स्वच्छ वायु को बढ़ावा देने, स्वास्थ्य संबंधी गतिविधियों को बढ़ाने, फसल अवशेष जलाने की समस्या का समाधान करने और वायु गुणवत्ता और जन स्वास्थ्य में सुधार के लिए स्थायी प्रथाओं को बढ़ावा देने के लिए अपनी वचनबद्धता दोहराई।

लंग केयर फाउंडेशन (एलसीएफ) संयुक्त राष्ट्र वातावरण प्रोग्राम (यूएनईपी) के सहयोग से अपने 'डॉक्टर्स फॉर क्लीन एयर एंड क्लाइमेट एक्शन' प्रोग्राम के माध्यम से जालंधर जिला प्रशासन के साथ मिलकर वायु प्रदूषण के स्वास्थ्य प्रभावों के बारे में जन जागरूकता पैदा करेगा, जिसमें पराली जलाने की समस्या पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा, जिला स्तरीय नीतियों को मजबूत किया जाएगा, फसल अवशेष प्रबंधन का समर्थन किया जाएगा और क्षमता निर्माण को बढ़ावा दिया जाएगा। यह साझेदारी स्वच्छ वायु को मौलिक अधिकार के तौर पर बहाल करके सार्वजनिक स्वास्थ्य की रक्षा के लिए एक सांझा दृष्टिकोण को उजागर करती है।

युद्ध नशेयां विरुद्ध : अब तक 101 नशा तस्कर गिरफ़्तार

चंडीगढ़ (जालंधर ब्रीज). 'युद्ध नशेंया विरुद्ध' अभियान वीरवार को लगातार 152वें दिन भी जारी रहा। इस दौरान

पंजाब पुलिस ने राज्य भर में 380 स्थानों पर छापेमारी की और 79 प्राथमिकी दर्ज कर 101 नशा तस्करों को गिरफ्तार किया। अब तक 152 दिनों में कुल 24,089 नशा तस्कर गिरफ़्तार किए जा चुके हैं। छापेमारी के दौरान गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से 778 ग्राम हेरोइन, 17 क्विंटल भुक्की, 18,671 नशीली गोलियाँ/कैप्सूल और 44,710 रुपए की ड्रग मनी बरामद की गई है। यह ऑपरेशन पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी गौरव यादव के निर्देशानुसार राज्य के सभी 28 पुलिस जिलों में एक साथ चलाया गया। गौरतलब है कि राज्य सरकार ने इस अभियान की निगरानी के लिए वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा की अध्यक्षता में पाँच सदस्यीय कैबिनेट सब-कमेटी का गठन भी किया है। स्पेशल डीजीपी कानून एवं व्यवस्था अर्पित शुक्ला ने बताया कि 82 गज़ेटेड अधिकारियों की निगरानी में 1,100 से अधिक पुलिसकर्मियों वाली 180 से अधिक पुलिस टीमों ने राज्यभर में छापेमारी की। उन्होंने बताया कि इस दिनभर चले अभियान के दौरान पुलिस टीमों ने 406 संदिग्ध व्यक्तियों की जांच भी की।

डॉक्टरों का निलंबन व बर्खास्तगी अपर्याप्त स्वास्थ्य मंत्री दें इस्तीफा : प्रताप बाजवा

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

पंजाब विधानसभा में विपक्ष के नेता प्रताप सिंह बाजवा ने गुरुवार को जालंधर सिविल अस्पताल में ऑक्सीजन की आपूर्ति बाधित होने के कारण तीन मरीजों की दुखद मौत के लिए आम आदमी पार्टी (आप) के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार को स्पष्ट रूप से जिम्मेदार ठहराया और पंजाब के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री डॉ. बलबीर सिंह के इस्तीफे की मांग की। बाजवा ने कहा कि पंजाब स्वास्थ्य मंत्रालय की हालिया कार्रवाई- जिसमें तीन डॉक्टरों को निलंबित करना और एक हाउस सर्जन को बर्खास्त करना- इस प्रशासन की घोर लापरवाही का स्पष्ट संकेत है। डॉक्टरों का निलंबन और बर्खास्तगी पूरी तरह से अपर्याप्त है। स्वास्थ्य मंत्री को नैतिक जिम्मेदारी स्वीकार करनी चाहिए और बिना देरी किए इस्तीफा देना चाहिए। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता बाजवा पंजाब की सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली से विनाशकारी तरीके से निपटने के लिए आप सरकार की निंदा करने से पीछे नहीं हटे, जो उनके 3.5 साल के कार्यकाल में काफी बिगड़ गई है. उन्होंने कहा, "दिल्ली से एक खारिज किए गए स्वास्थ्य मॉडल को लागू करने के अपने लापरवाह प्रयास में, आप सरकार ने पंजाब की अच्छी तरह से काम करने वाली स्वास्थ्य प्रणाली को ध्वस्त कर दिया है," एक अनुरूप दृष्टिकोण की तत्काल आवश्यकता को रेखांकित करते हुए जो वास्तव में पंजाब के लोगों की सेवा करता है।

बाजवा ने इन गंभीर खामियों को दूर करने के लिए तत्काल और निर्णायक कार्रवाई की मांग की। बाजवा ने पंजाब के सिविल अस्पतालों में चिकित्सा विशेषज्ञों की भारी कमी पर भी नाराजगी व्यक्त की, जिसमें खुलासा किया गया कि 2,098 स्वीकृत विशेषज्ञ पदों में से 990 खाली हैं। इसके अलावा, 3,847 सामान्य चिकित्सा अधिकारी पदों में से 1,962 खाली हैं, एक चौंकाने वाली 51% रिक्ति दर जिसे तुरंत संबोधित किया जाना चाहिए।

नगर निगम होशियारपुर ने चिंतपूर्णी मेला व्यवस्था को बनाया स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण की मिसाल

• **जालंधर ब्रीज.** होशियारपुर

माता चिंतपूर्णी जी का मेला हर साल की तरह इस वर्ष भी श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जा रहा है। इस दौरान देशभर से भारी संख्या में श्रद्धालु होशियारपुर शहर होते हुए हिमाचल प्रदेश स्थित माता चिंतपूर्णी मंदिर की ओर जाते हैं। श्रद्धालुओं की इस बढ़ती आवाजाही और धार्मिक संस्थाओं द्वारा लगाए गए लंगरों के बीच नगर निगम होशियारपुर ने शहर की स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के लिए विशेष व्यवस्थाएं की हैं।

नगर निगम कमिश्नर ज्योति बाला मट्टू ने जानकारी देते हुए बताया कि शहर में जगह-जगह लगाए गए लंगरों और श्रद्धालुओं के मार्गों पर सफाई व्यवस्था को प्राथमिकता दी गई है। निगम की ओर से सफाई सेवकों की तैनाती की गई है, जो पूरे मार्ग पर नियमित सफाई सुनिश्चित कर रहे हैं। साथ ही, लंगरों में प्रतिदिन जमा होने वाले कूड़े के निपटान के लिए निगम की गाड़ियां लगातार दौरा कर रही हैं। पर्यावरण संरक्षण पर विशेष ध्यान देते हुए नगर निगम ने लंगर आयोजकों को डस्टबिन और बायोडिग्रेडेबल डिस्पोजल सामग्री उपलब्ध करवाई है। निगम ने इस बार स्पष्ट संदेश दिया है कि मेले के दौरान सिंगल-यूज़ प्लास्टिक का प्रयोग नहीं किया जाएगा। लंगर आयोजकों को इस नियम का पालन करने के निर्देश दिए गए हैं और रोजाना संयुक्त कमिश्नर के नेतृत्व में गठित प्रवर्तन टीम लंगर स्थलों का निरीक्षण कर रही है। नियमों का उल्लंघन करने वालों के चालान भी काटे जा रहे हैं, ताकि सभी आयोजक स्वच्छता और पर्यावरण सुरक्षा के प्रति जागरूक रहें।

ज्योति बाला मट्टू ने शहरवासियों और श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे मेले के दौरान सिंगल-यूज़ प्लास्टिक का प्रयोग न करें और भोजन के बाद उत्पन्न होने वाला कचरा निर्धारित डस्टबिन में ही डालें। उन्होंने कहा कि शहर की सुंदरता और पर्यावरण की रक्षा तभी संभव है जब हर नागरिक अपनी जिम्मेदारी समझते हुए स्वच्छता में सहयोग करे।

ब्रिगेडियर सत्य नारायण सिंह सेवानिवृत्त हुए, ब्रिगेडियर राजीव कपूर को कार्यभार सौंपा

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

एनसीसी निदेशालय, पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और चंडीगढ़ (पीएचएचपी एंड सी) के उप महानिदेशक ब्रिगेडियर सत्य नारायण सिंह आज यहां सेवानिवृत्त हो गए। इस उपलक्ष्य में आयोजित समारोह में उन्होंने ब्रिगेडियर राजीव कपूर, सेना मेडल को एनसीसी निदेशालय का कार्यभार सौंपा और जिम्मेदारियों का हस्तांतरण किया।

सैनिक स्कूल, कुंजपुरा और राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए) के विशिष्ट पूर्व छात्र रहे, ब्रिगेडियर सत्य नारायण सिंह को 14 दिसंबर, 1991 को 3 जम्मू और कश्मीर लाइट इन्फैंट्री में कमीशन दिया गया था। अपने शानदार 35 साल के करियर के दौरान, उन्होंने अपनी बहुमुखी प्रतिभा और समर्पण का प्रदर्शन करते हुए पूरे भारत में विभिन्न पदों पर कार्य किया। ब्रिगेडियर सिंह की उपलब्धियों में 17 जम्मू और कश्मीर लाइट इन्फैंट्री और 76 इन्फैंट्री ब्रिगेड की कमान और तीन बार जीओसी-इन-सी प्रशस्ति पत्र से सम्मानित होना शामिल है। पीएचएचपीएंडसी के एनसीसी निदेशालय के उपमहानिदेशक के रूप में, ब्रिगेडियर सिंह ने कार्यालय में एक सकारात्मक और सौहार्दपूर्ण वातावरण को बढ़ावा दिया और अपनी टीम को असाधारण परिणाम देने के लिए प्रेरित किया।

नए उपमहानिदेशक ब्रिगेडियर राजीव कपूर अपनी नई भूमिका में व्यापक अनुभव लेकर आए हैं। उन्होंने ऑपरेशन गलवान के दौरान लद्दाख में एक इन्फैंट्री ब्रिगेड और जोरहाट स्थित एनसीसी समूह मुख्यालय की कमान संभाली थी।

जालंधर कैंट के अधीन डाक घरों द्वारा आईटी 2.0 एप्लिकेशन की 4 से होगी शुरुआत

जालंधर (जालंधर ब्रीज). डाक विभाग ने डिजिटल परिवर्तन पहल के तहत एपीटी एप्लीकेशन की शुरुआत की घोषणा की है, जो डिजिटल उत्कृष्टता और राष्ट्र निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस परिवर्तनकारी पहल के अंतर्गत, उन्नत प्रणाली को जालंधर कैंट प्रधान डाकघर के अधीन सभी डाकघरों में दिनांक 04.08.2025 से लागू किया जाएगा। इस आधुनिक डिजिटल प्लेटफॉर्म पर निर्बाध और सुरक्षित संक्रमण को सक्षम करने के लिए, दिनांक 02.08.2025 को नियोजित डाऊनटाइम निर्धारित किया गया है। 02.08.2025 को किसी भी डाकघर में कोई सार्वजनिक लेन-देन नहीं किया जाएगा। यह अस्थायी सेवा निलंबन डेटा माइग्रेशन, सिस्टम वैलिडेशन और कॉन्फ़िगरेशन प्रक्रियाओं को सुविधाजनक बनाने के लिए आवश्यक है, ताकि नई प्रणाली को सुचारू और कुशलतापूर्वक शुरू किया जा सके। जनसुविधा हेतु, जालंधर सिटी प्रधान डाकघर के अधीन आने वाले डाकघरों की सेवाएं इस दौरान उपयोग की जा सकती हैं। एपीटी एप्लिकेशन को एक बेहतर उपयोगकर्ता अनुभव, तेज़ सेवा वितरण और अधिक ग्राहक-अनुकूल इंटरफ़ेस प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जो हमारी भविष्य के लिए तैयार डाक सेवाओं की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

विमेंस टी20 वर्ल्ड कप के क्वालिफायर का पूरा शेड्यूल जारी, नेपाल को मिली मेजाबनी की कमान

स्पोर्ट्स डेस्क. महिला टी20 वर्ल्ड कप 2026 के क्वालीफायर मैच का शेड्यूल आईसीसी ने जारी कर दिया है। क्वालीफायर मैचों का आगाज 12 जनवरी 2026 से होगा, जो कि 2 फरवरी 2026 तक खेला जाएगा, जिसकी मेजबानी नेपाल को दी गई है। 21 दिन के इस इवेंट में कुल 10 टीमें दो अलग-अलग जगह मुलपानी, काठमांडू में आपस में भिड़ेगी।

बांग्लादेश और आयरलैंड की टीमों ने टी20 वर्ल्ड कप 2024 में खेलकर पहले ही क्वालीफायर के लिए सीधी एंट्री कर ली है, जबकि थाईलैंड और नेपाल ने, जबकि यूएसए ने टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई कर लिया है। अब बची हुई 5 टीमों में से दो-दो टीमें अफ्रीका और यूरोप, जबकि एक टीम ईस्ट एशिया पैसेफिक से ली जाएगी।

दरअसल, नेपाल में होने वाले आईसीसी महिला वर्ल्ड कप 2026 का क्वालीफायर अहम होगा, जिसमें 10 टीमों को दो अलग-अलग ग्रुप में बांटा गया है। हर एक ग्रुप में 5 टीमें होगी। इसके बाद सुपर सिक्स स्टेज और फाइनल मैच खेला जाएगा। पूरे शेड्यूल का ऐलान जल्द ही घोषित किया जाएगा।

फिलहाल, बता दें कि, आईसीसी महिला टी20 वर्ल्ड कप 2026 के शेड्यूल का पहले ही ऐलान हो गया है, जिसमें इंग्लैंड और वेल्स को मेजबानी मिली हैं। इस इवेंट की शुरुआत 12 जून से होनी है, जिसका फाइनल 5 जुलाई 2026 को खेला जाएगा।

वहीं इन 24 दिनों के अंतराल में कुल 33 मैच खेले जाएंगे, जो कि 7 वेन्यू पर खेले जाएंगे, जिसमें ओल्ड ट्रैफर्ड, हेंडिग्ले, हैम्पशायर बॉल, ब्रिस्टोल काउंटी ग्राउंड शामिल है। वहीं, इस बार महिला टी20 वर्ल्ड कप 2026 का फाइनल मैच बेहतरीन होगा, क्योंकि वह लंदन के ऐतिहासिक लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड में खेला जाएगा।

5000 से अधिक आंगनवाड़ी पदों की भर्ती 30 सितंबर से पहले पारदर्शी ढंग से होगी पूर्ण : डॉ. बलजीत कौर

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

पंजाब सरकार आंगनवाड़ी सेवाओं को सशक्त, समर्थ एवं जनहितैषी बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। इस उद्देश्य की पूर्ति के तहत पूरे पंजाब में 5000 से अधिक आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं के रिक्त पदों को 30 सितंबर 2025 से पहले भरने की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। यह जानकारी सामाजिक सुरक्षा, महिला एवं बाल विकास मंत्री डॉ. बलजीत कौर ने दी।

डॉ. बलजीत कौर ने बताया कि विभाग द्वारा 23 जुलाई से 15 अगस्त तक आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं की पदोन्नति, तबादले/समायोजन तथा तरस के आधार पर नियुक्तियों हेतु विशेष कार्यक्रम जारी किया गया है। इसके अंतर्गत, जिन कर्मचारियों की सेवा के दौरान मृत्यु हो गई, उनके आश्रितों को नौकरी देने के लिए 1 अगस्त से 8 अगस्त तक प्रक्रिया चलाई जाएगी, जबकि तबादले/समायोजन 15 अगस्त से पहले पूरे कर लिए जाएंगे। डॉ. बलजीत कौर ने जोर देकर कहा कि यह पहली बार है जब सेवा के दौरान स्थायी रूप से अपंग हो गए या जानलेवा बीमारी के कारण असमर्थ हुए आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं या सहायिकाओं के आश्रितों को सरकारी नौकरी का अवसर दिया जा रहा है।

कैबिनेट मंत्री ने कहा कि आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं के कल्याण, सुरक्षा और उत्साहवर्धन के लिए पंजाब सरकार निरंतर प्रयासरत है। ये निर्णय केवल प्रशासनिक नहीं बल्कि मानवीय सहानुभूति, न्याय और जिम्मेदार प्रबंधन के प्रतीक हैं। सरकार अपने अग्रिम पंक्ति के कर्मचारियों की सेवा का सदैव सम्मान करती है और उनके अधिकारों की पूरी रक्षा करेगी। उन्होंने बताया कि रिक्त पदों के विज्ञापन 22 अगस्त को जारी किए जाएंगे, जबकि आवेदन भरने की अंतिम तिथि 22 सितंबर होगी।

Printed, Published & Owner by ATUL SHARMA & Printed at DB Corp Ltd, Near Subhanpur Bus Stand,Hamira, Kapurthala-144802(Punjab) and Published from ATUL SHARMA, NN453 GOPAL NAGAR JALANDHAR (PUNJAB)
Editor : ATUL SHARMA*
*Responsible for selection of News under the PRB ACT. PUNHIN/2019/77863, All Rights Reserved. Reproduction in whole or in Part without permission is prohibited. All disputes shall be settled at Jalandhar jurisdiction only.